Hand-writing(Part-1)

टिपटिपवा कहानी का सारांश

टिपटिपवा कहानी उत्तर प्रदेश की लोककथा पर आधारित है जो कि गिरिजा रानी अस्थाना जी द्वारा लिखी गयी है। कहानी में एक बुढ़िया का वर्णन है ,जो अपने पोते को रोज रात को सोते समय कहानी सुनाती हैं। एक दिन गाँव में बहुत मूसलाधार बारिश हुई। ऐसी बारिश पहले कभी नहीं हुई थी। बुढ़िया की झोपड़ी में भी पानी जगह जगह से टपक रहा था। ऐसी बारिश देखकर बुढ़िया बहुत परेशान हो गयी थी। ऐसी स्थिति में भी पोता कहानी सुनने के लिए मचल रहा था। दादी ने कहा कि कहानी क्या सुनाएँ ! पहले इस टिपटिपवा से जान बचे। पोते ने पूछा कि क्या टिपटिपवा ,शेर बाघ से भी बड़ा है। दादी ने कहा कि टिपटिपवा का डर शेर बाघ से भी बड़ा है।

संयोग से बारिश से बचने के लिए एक बाघ बुढ़िया की झोपड़ी के पीछे बैठा था। वह जब दादी की बात सुना तो बहुत डर गया और वहां से जान बचाकर भाग जाने में भी अपनी भलाई समझी।

2.